कोरबा में उर्वरक संयंत्र के सम्बन्ध में हुई प्रगति

3274. डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय :
श्री शंकर लाल हेमराज जैन :
श्री छविराम अर्गल :

क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोरबा में निर्माणाधीन उर्वरक संयंत्र के सम्बन्ध मे 1977-78 में कितनी प्रगति हुई;

(ख) उस पर 1977-78 मे कितना व्यय हुआ; और

(ग) रासायनिक उर्वरको की भारी माग को ध्यान म रखते हुए कारखाने के निर्माण में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) से (ग). 31-3-1978 तक इस परियोजना पर 20.46 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है । साधनो की कठिनाई के कारण 1974 के मध्य से इस परियोजना के कार्यान्वयन को धीमा कर दिया गया था । अब यह निर्णय लिया गया है कि तालचर और रामागुण्डम में कार्यान्वयनाधीन प्रेड के पहले दो कोयले पर आधारित उर्वरक प्लांट जो परीक्षण के तौर पर 1979 के आरम्भ में उत्पादन आरम्भ करेंगे के चालू हो जाने पर अनुभव प्राप्त करने के पश्चात् इस परियोजना का और आगे कार्यान्वयन हाथ में लिया जावेगा ।

इलैक्ट्रिक ग्रेड पोली प्रोपोलीन फिल्म एकक

3275. डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के लिए दिनांक 9-12-1977 के पत्र संख्या 938 (77) के अन्तर्गत इलैक्ट्रिक ग्रेड पोली प्रोपीलीन फिल्म एकक का पंजीकरण किया गया था ;

(ख) क्या इस समय इस फिल्म का आयात किया जाता है ;

(ग) क्या मध्य प्रदेश शासन से उपर्युक्त विषय पर दिनांक 10 मई, 1978 का पत्र संख्या 4869 प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम लि० से इलैक्ट्रिक ग्रेड बाईएक्जियली ओरिएण्टेड पोली-प्रोपीलीन फिल्म के निर्माण के लिए एक आशय पत्र जारी करने के सम्बन्धित दिनांक 9-12-77 को 938 (77) 11 सं० के अन्तर्गत एक पंजीकृत आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है ।

(ख) इलेक्ट्रिकल ग्रेड बाईएक्जियली ओरिएण्टेड फिल्म वर्तमान आयात नीति के अन्तर्गत मदों की प्रतिबंधित सूची में नही है ।

(ग) और (घ). जी, नही । मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री ने दिनांक 15-5-78 को औद्योगिक लाइसेंस जारी करने के लिए सर्व० एम० पी० एस० सी० आई०/पी० सामान्य/152/4869-71 के अन्तर्गत मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम का आवेदन पत्र पुन: विचार करने के लिए भेजा । मामले पर पुन विचार किया गया लेकिन निगम को आशय पत्र जारी करना सभव नही पाया गया क्योंकि इस मद की पर्याप्त क्षमता पहले ही दी जा चुकी है ।

आवश्यक औषधियों के मूल्यों में वृद्धि

3276. श्री भारत सिंह चौहान : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ आवश्यक औषधियो के मूल्यो में हाल में वृद्धि हुई है; और

(ख) यदि हां, तो ऐसी औषधियों के नाम क्या हैं और कीमतों में वृद्धि करने के लिए कम्पनियों को अनुमति दिए जाने के क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) जी नही ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

विदेशी औषध फर्मों द्वारा दवाइयों के मूल्य में वृद्धि

3277. श्री भारत सिंह चौहान :
श्री यशवन्त शर्मा :

क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ विदेशी कम्पनियों ने भी गत छ: महीनों के दौरान अपनी दवाइयों के मूल्य बढ़ाये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन कम्पनियों के नाम क्या हैं और किन-किन दवाइयों के मूल्य बढ़ाए गये हैं और ये मूल्य किस सीमा तक बढ़ाये गये हैं, और

(ग) सरकार ने उन कम्पनियों को किन-किन कारणों से उनके मूल्य बढ़ाने की अनुमति दी है?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) (क) जी नहीं। औषधों के मूल्य औषध (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1976 के प्रावधानों के अन्तर्गत समेकित किये जाते हैं जिसके अन्तर्गत मूल्यों में वृद्धि करने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

उर्वरकों का उत्पादन

3278 श्री भारत सिंह चौहान:

श्री सुभाष आहूजा:

क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में वर्ष-वार, उर्वरकों का कितना उत्पादन हुआ,

(ख) क्या इससे देश की वर्तमान मांग की पूर्ति होती है और

(ग) यदि नहीं तो उत्पादन की पूर्ति के लिए क्या प्रभावी पग उठाये जाने ने हैं?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) (क) गत तीन वर्षों के उर्वरकों का उत्पादन निम्न प्रकार था —

उत्पादन (लाख मी०टनों में)

वर्ष	नाइट्रोजन	फास्फेट
1975-76	15 35	3 20
1976-77	19 00	4 80
1977-78	20 00	6 70

स्वदेश में पाटाश का कोई उत्पादन नहीं होता।

(ख) जी, नहीं।

(ग) गतिरोध दूर करने नवीनीकरण प्रतिस्थापना आदि जैसे सशोधन कार्यक्रम चालू यूनिटों में लागू किये जा रहे हैं ताकि उत्पादन अधिकतम हो। इसके अतिरिक्त एक बड़े पैमाने का कार्यक्रम जिसमें 13 बड़े आकार की परियोजनायें शामिल हैं कार्यान्वयनाधीन है ताकि उर्वरकों की उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जाय। चूंकि चालू यूनिटों और कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं से प्राप्त उत्पादन छठी योजना के अन्त तक उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकताओं से कम होगा, अतः बम्बई हाईबेसिन स्ट्रक्चर से उपलब्ध गैस पर आधारित चार बड़े आकार के उर्वरक प्लांट, दो महाराष्ट्र में और दो गुजरात में और ओ एन जी सी और आयल इंडिया लि० के तेल के क्षेत्रों में से असम में उपलब्ध गैस पर आधारित नामरूप में एक प्लांट की स्थापना करने का प्रस्ताव है। मैसर्स इण्डियन एक्सप्लोसिव लि० को उनके कानपुर में वर्तमान प्लांट की क्षमता का विस्तार करने के लिए एक आशय-पत्र भी दिया गया है।

पेट्रोल पम्प और उर्वरक कारखाने आदि खोलने के लिये लाइसेंस जारी किया जाना

3279 श्री भारत सिंह चौहान

श्री चतुर्भुज

क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों में पेट्रोल पम्प खोले जाने, उर्वरक कारखाने स्थापित किये जाने और औषधियों के उत्पादन के लिए नये लाइसेंस मंजूर किये गये हैं;